

झारखंड से मैट्रिक-इंटर तो ही दे सकेंगे टीईटी

रांची | हिन्दुस्तान न्यूज

झारखंड में होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में सामान्य वर्ग के वे ही परीक्षार्थी शामिल सकेंगे जिन्होंने राज्य से मैट्रिक व इंटर की परीक्षा पास की है। आरक्षण का लाभ पाने वाले अभ्यर्थियों के मामले में इसे स्थगित किया गया है। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (संशोधन) नियमावली 2022 में इसके प्रावधान किए गए हैं। इसे गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। बैठक में 63 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

शिक्षक पात्रता परीक्षा (संशोधन) नियमावली 2022 के तहत टीईटी के लिए सामाजिक अध्ययन में कॉमर्स के लेखा शास्त्र और व्यापार अध्ययन को भी जोड़ा गया है। उर्दू सहायक शिक्षक के लिए उर्दू व अंग्रेजी में 20-20 प्रश्न तब किए गए हैं। इतना ही नहीं अब बाई की जगह तीन घंटे की परीक्षा होगी। नई नियमावली के अनुसार टेट सर्टिफिकेट



क्षेत्रीय भाषा में पास जरूरी

टीईटी में क्षेत्रीय भाषा में पास करना जरूरी होगा। क्षेत्रीय भाषा के अंक कुल प्रश्नों में जुड़ेंगे। पहले क्षेत्रीय भाषा क्वालिफाइंग पेपर के रूप में थी। टेट के अभ्यर्थी जहां से आवेदन करेंगे वहां के क्षेत्रीय या जनजातीय भाषा में से एक की परीक्षा देना जरूरी होगा। संबंधित क्षेत्रीय या जनजातीय भाषा के व्यक्तियों की अच्छी जानकारी जरूरी है और वे शुद्ध-शुद्ध इसकी अभिव्यक्ति कर सकें।

की मान्यता अब ताउम्र रहेगी। 2013 और 2016 के टेट पास लोगों पर भी यह लागू होगा।

टेट में पास करने लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को हर खंड में 40

किस वर्ग के लिए कितना न्यूनतम अंक जरूरी

वर्ग	हर खंड में न्यूनतम	कुल प्रश्नों का	आदिम जनजाति पिछड़ा वर्ग - 1	30	35
सामान्य जाति	40	60	पिछड़ा वर्ग - 2	35	55
अनुसूचित जाति	30	50	आर्थिक कमजोर	35	55
अनुसूचित जनजाति	30	50	दिव्यांग	30	50

विषयवार घटाए और बढ़ाए गए प्रश्न

शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए विषयवार प्रश्नों की संख्या और उसके अंक घटाए और बढ़ाए गए हैं। उर्दू सहायक शिक्षक के लिए पहले उर्दू में 20 अंक और अंग्रेजी में 30 अंक के प्रश्न होते थे। इसे अब 20-20 अंक कर दिया गया है। गणित विज्ञान व विज्ञान शिक्षक के लिए पहले गणित के 70 और विज्ञान के 80 अंक के प्रश्न होते थे। अब गणित के 50 अंक के प्रश्न और विज्ञान में 100 अंक के प्रश्न होंगे। विज्ञान में भौतिकी, रसायन, वनस्पतिशास्त्र और जीव विज्ञान के 50-50 अंक के प्रश्न होंगे, जिसमें दो विषय लेना अनिवार्य होगा। इसी तरह समाज अध्ययन के शिक्षक के लिए इतिहास, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, लेखा शास्त्र और व्यापार अध्ययन विषय के 50-50 अंक के प्रश्न रहेंगे। इनमें से अभ्यर्थी तीन विषय रख सकेंगे।

प्रतिशत अंक लाना जरूरी होगा। साथ ही, 60 प्रतिशत अंक पर से टेट पास कर सकेंगे। वहीं, पिछड़ा वर्ग एक व दो तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 35 व 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य

किया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आदिम जनजाति और दिव्यांगों को हर खंड में 30 अंक और कुल प्रश्नों का 50 प्रतिशत लाना जरूरी होगा।